

उत्तर प्रदेश में अब स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन की तर्ज पर बनेंगे स्पेशल शैक्षिक ज़ोन

चर्चा में क्यों?

- 18 सितंबर, 2023 को मीडिया से मली जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश में अब विशेष आर्थिक परिक्षेत्र (एसईजेड) की तर्ज पर विशेष शैक्षिक परिक्षेत्र बनेंगे। ये परिक्षेत्र युवा आबादी, प्रतिव्यक्ति आय, इंफ्रास्ट्रक्चर व साक्षरता दर के आधार पर तय होंगे।

प्रमुख बंदि

- गौरतलब है कि पहले चरण में नोएडा, लखनऊ में यह विशेष शिक्षा परिक्षेत्र आकार ले सकता है।
- इस योजना के लिये इंफ्रास्ट्रक्चर पार्टनर को जम्मेदारी दी जाएगी। इसके लिये शैक्षिक संस्थाओं की अनुपयोगी ज़मीन भी चन्हति की जा रही है, जिसका उपयोग इस एसईजेड के लिये हो सकता है।
- यह एजुकेशन क्लस्टर बहुआयामी शिक्षा, शोध व कौशल विकास पर काम करेंगे। इसके लिये अब वसितृत कार्ययोजना बन रही है और उसके बाद विशेष शैक्षिक ज़ोन के लिये लोकेशन को अंतिम रूप दिया जाएगा।
- वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लिये अमेरिकन सलाहकार कंपनी डेलायट की वभिन्न सेक्टरों में दी गई रपौर्ट को वभागों के सहयोग से लागू करने पर उत्तर प्रदेश सरकार ने मंजूरी दे दी है। इसी के तहत अब उच्च व तकनीकी शिक्षा में नजी विश्वविद्यालय, नजी नविशकों व शैक्षिक संगठनों से आगे की योजना पर बैठकें शुरू हो गई हैं।
- डेलायट का कहना है कि शैक्षिक जगत को उद्योग से सीधा जोड़कर राज्य के लाखों स्नातकों को रोज़गार दलाया जा सकता है। इसके लिये विशेष शिक्षा क्षेत्र, नजी विश्वविद्यालयों को नविश के लिये प्रोत्साहति करना, उच्च शिक्षा में अधिक से अधिक छात्रों को प्रवेश, दलाने जैसे काम किये जाने बहुत जरूरी हैं।
- वदिति है कि डेलायट की रपौर्ट में बताया गया है कि 10851 छात्रों को नजी कंपनियों में रोज़गार मला है। यह साल 2022 से 10 प्रतिशत ज्यादा है।
- पालीटेक्निक कॉलेजों में 365340 सीटें भरी हैं, इसमें पछिले साल के मुकाबले 63 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। छह पालीटेक्निक पीपीपी मॉडल पर चल रहे हैं। राजकीय पालीटेक्निक में शुरू हुए नये पाठ्यक्रमों के लिये 1575 सीटें हैं।



PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/now-speciaeducational-zones-will-be-created-in-uttar-pradesh-on-the-lines-of-special-economic-zones>